अज्ञान तिमिरान्धस्य
ज्ञानाञ्जन शलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै
श्री गुरवे नमः ॥

Meaning in Hindi

जिसने ज्ञानांजनरुप शलाका से, अज्ञानरुप अंधकार से अंध
हुए लोगों की आँखें खोली, उन गुरु को नमस्कार ।

ePaperPDF.com